Five Days 'Short Term Translation Training Programme' organized at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 10-09-2024**

भाषा के विकास से ही संस्कृति का विकास संभव : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में सोमवार को पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्जवलन कर किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो नई दिल्ली के सहयोग से 13 सितंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के उप निदेशक नरेश कुमार, सहायक निदेशक जगत सिंह रोहिल्ला विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पांच दिन राजभाषा हिंदी के नहीं बल्कि संस्कृति के पांच दिन हैं। अवश्य ही प्रतिभागी इन पांच दिनों में हिंदी के अनुवाद प्रशिक्षण में विभिन्न पहलुओं से लाभांवित होंगे।

कुलपति ने कहा कि भाषा के विकास से ही संस्कृति का विकास संभव है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार भाषा भारत के विकास के लिए अनिवार्य तत्व है। भाषा जनमानस की संस्कृति का द्योतक है। अपनी संस्कृति को संजोने के लिए भाषा को बचाना और उसे बढ़ाना अति आवश्यक है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति व प्रतिभागी। स्रोत : हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran   Date: 10-09-2024

संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण हुआ शुरू : कुलपति

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. टंकेश्वर व अन्य ● सौः विवि

संवाद सहयोगी, जागरण ●महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली के सहयोग से 13 सितंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के उप निदेशक नरेश कुमार व सहायक निदेशक जगत सिंह रोहिल्ला विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि ये पांच दिन राजभाषा हिंदी के नहीं, बल्कि संस्कृति के पांच दिन हैं। अवश्य ही प्रतिभागी इन पांच दिनों में हिंदी के अनुवाद प्रशिक्षण में विभिन्न पहलुओं से लाभान्वित होंगे। कुलपति ने आयोजकों को प्रतिदिन प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत पांच प्रण से भी अवगत कराने व उन पर विमर्श करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि यदि विद्यार्थी स्वभाषा में अध्ययन करेगा तो वह सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 10-09-2024**

हकेंवि में पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण शुरू

■ कुलपति बोले, भाषा के विकास से ही संस्कृति का विकास संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं प्रतिभागी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो नई दिल्ली के सहयोग से 13 सितंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के उपनिदेशक नरेश कुमार व सहायक निदेशक जगत सिंह रोहिल्ला विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ये पांच दिन राजभाषा हिंदी के नहीं बल्कि संस्कृति के पांच दिन हैं। अवश्य ही प्रतिभागी इन पांच दिनों में हिंदी के अनुवाद प्रशिक्षण में विभिन्न पहलुओं से लाभांवित होंगे। कुलपति ने आयोजकों को प्रतिदिन प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत पांच प्रण से भी अवगत कराने व उन पर विमर्श करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि यदि विद्यार्थी स्वभाषा में अध्ययन करेगा तो वह सफलता की नई ऊचाइंयों को प्राप्त कर सकता है और यही कारण है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। कुलपति ने अपने संबोधन में अनुवाद के महत्त्व का उल्लेख करते हुए इसकी आवश्यकता व उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि किस प्रकार भाषा भारत के विकास के लिए अनिवार्य तत्व है। उन्होंने कहा कि भाषा जनमानस की संस्कृति का द्योतक है। अपनी संस्कृति को संजोने के लिए भाषा को बचाना और उसे बढ़ाना अति आवश्यक है। हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी ने विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ नरेश कुमार ने संक्षिप्त अनुवाद कार्यक्रम की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया और केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा संचालित विभिन्न अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। जगत सिंह रोहिल्ला ने इस अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम से निश्चित रूप से लाभ प्राप्त करने हेतु आशान्वित किया। उद्घाटन सत्र का समापन विश्वविद्यालय हिंदी सलाहकार समिति के अध्यक्ष व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव द्वारा औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापन द्वारा किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी व नराकास के सदस्या ने प्रतिभागिता की। हिंदी विभाग के शोधार्थी गायत्री, रोबिन, सरिता, अनुज, मुनीश आदि ने कार्यक्रम के संचालन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hello Rewari **Date: 10-09-2024**

हकेवि में पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रारंभ

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सोमवार को पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली के सहयोग से आगामी 13 सितंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के उप निदेशक नरेश कुमार व सहायक निदेशक जगत सिंह रोहिल्ला विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि ये पाँच दिन राजभाषा हिंदी के नहीं बल्कि संस्कृति के पाँच दिन हैं। अवश्य ही प्रतिभागी इन पाँच दिनों

-भाषा के विकास से ही संस्कृति का विकास संभव- प्रो. टंकेश्वर कुमार

में हिंदी के अनुवाद प्रशिक्षण में विभिन्न पहलुओं से लाभांवित होंगे। कुलपति ने आयोजकों को प्रतिदिन प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत पाँच प्रण से भी अवगत कराने व उन पर विमर्श करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संबोधन में शिक्षा में मातृभाषा के महत्त्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि विद्यार्थी स्वभाषा में अध्ययन करेगा तो वह सफलता की नई ऊचाइंयों को प्राप्त कर सकता है और यही कारण है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। कुलपति ने अपने संबोधन में अनुवाद के महत्त्व का उल्लेख करते हुए इसकी आवश्यकता व उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार भाषा भारत के विकास के लिए अनिवार्य तत्व है। उन्होंने कहा कि भाषा जनमानस की संस्कृति का द्योतक है। अपनी संस्कृति को संजोने के लिए भाषा को बचाना और उसे बढ़ाना अति आवश्यक है।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी ने विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ नरेश कुमार ने संक्षिप्त अनुवाद कार्यक्रम की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया और केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा संचालित विभिन्न अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में जगत सिंह रोहिल्ला ने इस अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम से निश्चित रूप से लाभ प्राप्त करने हेतु आशान्वित किया। उद्घाटन सत्र का समापन विश्वविद्यालय हिंदी सलाहकार समिति के अध्यक्ष व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव द्वारा औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापन द्वारा किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी व नराकास के सदस्या ने प्रतिभागिता की। आयोजन में हिंदी विभाग के शोधार्थी गायत्री, रोबिन, सरिता, अनुज, मुनीश आदि ने कार्यक्रम के संचालन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-09-2024**

हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से विश्वविद्यालय के कार्यालयीन कार्य में अवश्य ही राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बल मिलेगा। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-09-2024**

हकेंवि में पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद कार्यक्रम का समापन

अनुवाद एक कला, इसमें निखार के लिए अभ्यास जरूरी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय 'संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम' का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो की ओर से सहायक उपनिदेशक जगत सिंह रोहिल्ला व लेखा सरीन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से विश्वविद्यालय के कार्यालयीन कार्य में अवश्य ही राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी कार्यक्रम के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर शुभकामनाएं दीं। समापन सत्र की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने स्वागत भाषण दिया। केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो की उपनिदेशक लेखा सरीन ने कहा कि अनुवाद एक कला है और कला में निखार अभ्यास जरूरी है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि हिंदी के कार्य करने में अपनापन महसूस होता है। उन्होंने हिंदी में कार्य करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी ने बताया कि कार्यक्रम में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के उपनिदेशक नरेश कुमार, सहायक निदेशक जगत सिंह रोहिल्ला और लेखा सरीन विशेषज्ञों के रूप में 35 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों गायत्री, योगेश, रोबिन, अनुज, संदीप राहुल, गीता आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Times **Date: 14-09-2024**

हकेवि में पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद कार्यक्रम का हुआ समापन

- **केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के सहयोग से हुआ आयोजन।**

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित पाँच दिवसीय 'संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम' का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो की ओर से सहायक उपनिदेशक श्री जगत सिंह रोहिल्ला व श्रीमती लेखा सरीन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो से आए विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया और राजभाषा अनुभाग को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बधाई दी। कुलपति ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से विश्वविद्यालय के कार्यालयीन कार्य में अवश्य ही राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी कार्यक्रम के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर शुभकामनाएं प्रेषित की।

समापन सत्र की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सृजनात्मक बताया।

केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो की उपनिदेशक श्री लेखा सरीन ने कहा कि अनुवाद एक कला है और कला में निखार अभ्यास जरूरी है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि हिंदी के कार्य करने में अपनापन महसूस होता है। उन्होंने हिंदी में कार्य करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए ने बताया कि कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए इस पाँच दिवससीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के उपनिदेशक श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक श्री जगत सिंह रोहिल्ला और श्रीमती लेखा सरीन विशेषज्ञों के रूप में 35 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया।

समापन सत्र में पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। इसमें प्रतिभागियों की ओर से भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाने का आग्रह किया।समापन सत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों गायत्री, योगेश, रोबिन, अनुज, संदीप राहुल, गीता आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भगवान द्वारा किया हुआ रास कोई काम लीला नहीं

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन प्रख्यात कथावाचक आचार्य बजरंग शास्त्री कंस

नारनौल। नारनौल के महता चौक स्थित कुटुंब पैलेस में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस पर आज सर्वप्रथम आचार्य मनीष शास्त्री ने मुख्य यजमान के द्वारा विधिविधान से सभी देवताओं का पूजन करवाया और भागवत कथा का शुभारंभ करवाय। इसके उपरांत आचार्य बजरंग शास्त्री जी ने भागवत कथा का प्रवचन देते हुये बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन को उठाकर इन्द्र का अभिमान दूर किया, इन्द्र ने बृज मे आकर भगवान से क्षमा माँगी और भगवान कृष्ण ने इन्द्र को क्षमा कर दिया तो इन्द्र ने बृज मे अपना जीवन बिताने की माँग भी की । कृष्ण ने कहाँ की इंद्र जो मेरा अपमान करता हैं, हो सकता है की उसे मै सहन कर लू , लेकिन जो भी मेरे भक्तो, संतों को कष्ट देता है, उसे मै कभी सहन नही करता और उसे माफ नही करता।

आचार्य जी ने बताया की गोपिया कोई साधारण स्त्रियाँ नही है, पूर्व जन्म के बडे-बडे ऋषि मुनि संत महात्मा ही बृज मे गोपी बनकर आये है और भगवान कृष्ण को पाना ही इनके जीवन का परम उद्देश्य है। इसलिये भगवान श्री कृष्ण ने गोपियों के मनोरथ पूर्ण करने के लिये अपनी बाँसुरी का निनाद किया और सभी बृज गोपियों को बुलाकर शरद पूर्णिमा को महारास किया तथा कामदेव के अभिमान को दूर किया। रास करते हुए जब गोपियों के मन मे भी अभिमान आया तो भगवान सब गोपियों को छोड़कर अंतर्ध्यान हो गये , क्योंकि भगवान कृष्ण भक्त अपने भक्तो के अभिमान को कभी नही रहने देते और जब गोपियों ने भगवान के विरह मे गोपी गीत गाया और क्षमा प्रार्थना की तो भगवान ने गोपियों को दर्शन दिये तथा गोपियों के मनोरथ को पूर्ण करने के लिये गोपियों के साथ रास किया तथा उस रास मे कामदेव को जलाकर भस्म करने वाले भगवान भोलेनाथ भी गोपी बनकर माता पार्वती के साथ आये और रास का आनँद लिया। आचार्य जी ने बताया की भगवान द्वारा किया हुआ रास कोई काम लीला नही है, बल्कि ये प्रभु की